तूने राम रतन धन पाया नहीं | By Ashok Shauq

तूने राम रतन धन पाया नहीं
दुनिया वेदान्तो जोड़ दिया
माया से रिश्ता खूब किया
प्रभु चरणों से रिश्ता तोड़ दिया

तू सोचता है तर जाएगा
मरकर भी चैन ना पायेगा
ये माया नागिन होती है
क्यों सब कुछ इसपे छोड़ दिया

जब मुश्किल घड़ियाँ आएँगी
तेरी चालें चल ना पाएंगी
ये ताम झाम ये खासो आम
किस रस्ते पे खुद को मोड़ दिया

चलते चलते थक जाना है
सब व्यर्थ का ताना बाना है
आपाधापी ने शौक़ यहाँ
कितनो का ही सर फोड़ दिया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%a7%e0%a4%a8-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-by-ashok-sha/